एम.ए.एच.

एम.ए. (इतिहास)

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2021-22

एम.ए. इतिहास प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए

जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-01 : प्राचीन और मध्यकालीन समाज

एम.एच.आई.-02 : आधुनिक विश्व

एम.एच.आई.-04 : भारत में राजनीतिक संरचनाएं

एम.एच.आई.-05 : भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य

2021-2022

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2021 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2022**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2022 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2022**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगे:

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।
2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगा:

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि:

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एमएचआई-01: प्राचीन एवं मध्यकालीन समाज

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-01
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-01एएसटी/टीएमए/2021-22
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. मानव समाज के विकास में कृषि और औजारों के आविष्कार और अग्नि की खोज के परिणामों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

2. ताम्रयुगीन सभ्यताओं में शहरीकरण की प्रक्रिया का एक विस्तृत वर्णन दीजिए। 20

3. प्राचीन यूनानी सभ्यता के प्रजातन्त्र में रूपान्तरण का विश्लेषण कीजिए। 20

4. दक्षिण अफ्रीका क्षेत्र में अर्थव्यवस्था और सरकार के संगठन का एक संक्षिप्त वर्णन दीजिए। 20

5. निम्न में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः 10 +10
   (i) शिकारी-संग्राहक समाजों में कला और संचार
   (ii) माया सभ्यता
   (iii) रोमन सभा
   (iv) मिस्त्र का धर्म

भाग-ख

6. सातवीं शताब्दी में अरब क्षेत्र में इस्लाम के उदय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 20

7. पूर्व-आधुनिक चीन में धार्मिक परंपरा की चर्चा कीजिए। 20

8. मध्यकाल में वस्त्र उत्पादन और काँच निर्माण का एक संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 20

9. मध्यकालीन यूरोप में जनसांख्यिकी में परिवर्तन के उत्तरदायी विभिन्न कारकों को स्पष्ट कीजिए।20

10. निम्न में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः 10 + 10
    (i) मध्ययुगीन यूरोप में प्रमुख वैज्ञानिक प्रगतियाँ
    (ii) अनाबेपटिस्ट
    (iii) बंजारे और उनकी व्यापारिक गतिविधियाँ
    (iv) सामंतवाद का पतन

एमएचआई-02: आधुनिक विश्व

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-02
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-02/एएसटी/टीएमए/2021-22
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग क

1. पुनर्जागरण और प्रबोधन काल ने आधुनिक विश्व के निर्माण में कैसे योगदान दिया? 20

2. पूँजीवाद की आलोचना करने वाले प्रमुख दृष्टिकोणों का विश्लेषण कीजिए। 20

3. नौकरशाहीकरण से आप क्या समझते हैं? ट्रेड यूनियनों में नौकरशाहीकरण की प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए। 20

4. विऔपनिवेशिकरण क्या है? विऔपनिवेशिकरण के प्रति विभिन्न दृष्टिकोणों को स्पष्ट कीजिए। 20

5. निम्नलिखत में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः 10 +10
   (i) विज्ञान बनाम धर्म
   (ii) राज्य पर मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य
   (iii) गैलनर द्वारा व्याख्यायित राष्ट्रवाद के वर्गीकरण
   (iv) मानवतावाद

भाग- ख

6. बीसवीं शताब्दी में अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। 20

7. उपनिवेशवाद क्या है? उपनिवेशवाद के विभिन्न चरणों की चर्चा कीजिए। 20

8. यूरोप में विकसित हुए उपभोक्तावादी आन्दोलन पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

9. बीसवीं सदी में हुए कुछ प्रमुख तकनीकी नवाचारों की व्याख्या कीजिए। 20

10 निम्न में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः 10 + 10
   (i) साम्राज्यवाद की आर्थिक व्याख्या संबंधी सिद्धान्त
   (ii) दिसम्बरवादी (Decembrist) विद्रोह
   (iii) आधुनिक युद्ध प्रणाली की सीमाएँ
   (iv) पारिस्थितिकीय जागरूकता

एमएचआई-04: भारत में राजनीतिक संरचनाएँ

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-04
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-04/एएसटी/टीएमए/2021-22
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग क

1. प्रारंभिक ऐतिहासिक काल में तमिलकम् में विकसित हुए मुखियातंत्रों की प्रकृति की चर्चा कीजिए। 20

2. आठवीं से बारहवीं सदी के बीच प्रायद्वीपीय भारत में प्रारंभिक मध्ययुगीन राज्य व्यवस्थाओं की मुख्य विशेषताएँ क्या थी? 20

3. दिल्ली सल्तनत के अधीन राज्य की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

4. ब्रिटिश औपनिवेशिक राज्य की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए। 20

5. अठाहरवीं शताब्दी की राज्य व्यवस्थाओं की समझ संबंधी विद्वानों के मध्य विवादों का विश्लेषण कीजिए। 20

भाग- ख

6. मुगलों के अन्तर्गत *मनसब* और *जागीर* व्यवस्थाओं की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए। 20

7. उत्तर-मौर्यकालीन प्रशासनिक व्यवस्था का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

8. भारतीय सामाजिक राजनैतिक व्यवस्था के बारे में प्राच्यवादी और इंजिलवादी अनुभूतियों पर एक लेख लिखिए। 20

9. यह स्पष्ट कीजिए कि औपनिवेशिक और राष्ट्रवादी विरासत ने कैसे उत्तर-औपनिवेशिक भारतीय राज्य की प्रकृति को आकार प्रदान किया? 20

10. निम्नलिखित पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः 10 + 10
    (क) राजपूतों के अन्तर्गत राज्य गठन
    (ख) *ब्रह्मदेय* और *नगरम्*

एमएचआई-05: भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-05
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-05/एएसटी/टीएमए/2021-22
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग- क

1. औपनिवेशिक इतिहासलेखन की प्रमुख विचारधाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए? 20

2. हड़प्पाई सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

3. कुषाणकालीन अर्थव्यवस्था की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

4. 7-12 शताब्दियों में इतिहासकारों के मध्य नगरीय पतन संबंधी विवादों की चर्चा कीजिए। 20

5. निम्न में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः 10 + 10
   (क) उपमहाद्वीपीय नदीय जलमार्ग
   (ख) नवपाषाण-ताम्रपाषाण सभ्यताओं में सामाजिक पदानुक्रम तथा मुखियातंत्र
   (ग) 6-10वीं शताब्दियों में तमिल क्षेत्र में भू-अधिकार
   (घ) दक्षिण भारत में व्यापारिक श्रेणियाँ

भाग- ख

6. मुगल *ज़मींदारों* के अधिकारों तथा कार्यों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

7. मध्यकाल में कृषि तकनीकी के विकास का परीक्षण कीजिए। 20

8. जनजातीय अर्थव्यवस्था पर औपनिवेशिक हस्तक्षेपों के प्रभावों का विश्लेषण कीजिए। 20

9. निरोद्योगीकरण संबंधी राष्ट्रवादी विचारधारा पर डेनियल थार्नर की आलोचना का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए। 20

10. निम्न में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः 10 + 10
    (क) मध्यकाल में अकाल
    (ख) मध्यकाल में भवन निर्माण गतिविधियाँ
    (ग) औपनिवेशिक काल में जनसंख्या वृद्धि संबंधी प्रश्न
    (घ) वैश्वीकरण